पूर्व रंग

अयोध्या शोध संस्थान
संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश का मासिक पत्र

वर्ष : 1 अंक : 2 जुलाई 2022

संरक्षण

योगी आदित्यनाथ
माननीय मुख्यमन्त्री,
उत्तर प्रदेश

❀

मार्गदर्शन

श्री जयवीर सिंह
माननीय मन्त्री,
पर्यटन एवं संस्कृति विभाग,
उत्तर प्रदेश

❀

निर्देशन

श्री मुकेश कुमार मेश्राम
प्रमुख सचिव,
पर्यटन एवं संस्कृति विभाग,
उत्तर प्रदेश
अध्यक्ष-संस्थान

श्री शिशिर
निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तर प्रदेश
उपाध्यक्ष-संस्थान

❀

कार्यकारी सम्पादक

डॉ० लवकुश द्विवेदी
निदेशक
अयोध्या शोध संस्थान,
संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश

❀

प्रकाशक

अयोध्या शोध संस्थान
तुलसी स्मारक भवन
अयोध्या, उ०प्र०
सम्पर्क : 9532014477
ईमेलः
ayodhyaresearch1986@gmail-com
वेबसाइटः
www.ayodhya.org.in

श्रीराम की नगरी अयोध्या में श्री रामायण यात्रा

भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े पावन स्थलों की यात्रा पर निकली श्री रामायण यात्रा भारत गौरव पर्यटन रेलगाड़ी के यात्रियों का अयोध्या जी में भव्य स्वागत हुआ। अयोध्या रेलवे स्टेशन पर 22 जून को प्रातः माननीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने पुष्प गुच्छ और दल के प्रमुखों को रामचरित मानस की प्रतियां भेंट कर स्वागत और अभिनंदन किया। इस अवसर पर अयोध्या के माननीय सांसद श्री लल्लू सिंह, माननीय मेयर श्री ऋषिकेश उपाध्याय, अयोध्या शोध संस्थान के निदेशक डॉ० लवकुश द्विवेदी सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित थे। दल के स्वागत में संस्थान की ओर से लोक कलाकारों ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

श्री रामायण यात्रा भारत गौरव पर्यटन रेलगाड़ी भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े पावन स्थलों की यात्रा पर निकली थी। यह यात्रा दिल्ली से रवाना होकर अयोध्या होते हुए नन्दी ग्राम, जनकपुर, सीतामढ़ी, बक्सर, वाराणसी, प्रयागराज, श्रृंग्वेरपुर, चित्रकूट, नासिक, हम्पी, रामेश्वरम, कांचीपुरम, भद्राचलम से होती हुई दिल्ली वापस जाकर समाप्त होगी।

भारत राममय है

माननीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने कहा है कि भारत राममय है और भगवान श्रीराम भारत के आदर्शों में शामिल हैं। श्री रामायण यात्रा का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के जीवन का हर पहलू प्रेरणा का स्रोत है।

सांस्कृतिक विरासतों का संरक्षण आवश्यक

माननीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, शोध, ध्वन्यांकन, अभिलेखीकरण सहित तमाम विधियों से हमारी समृद्ध परम्पराओं का संरक्षण किया जाना चाहिए। यह बातें श्री सिंह ने 6 जून को लखनऊ के गोमती नगर स्थित पर्यटन भवन में अयोध्या शोध संस्थान के मासिक पत्र (न्यूज लेटर) 'पूर्व रंग' के प्रवेशांक का लोकार्पण करने के अवसर पर कही। इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव श्री मुकेश कुमार मेश्राम, संस्थान के निदेशक डॉ० लवकुश द्विवेदी, पर्यटन विभाग के विशेष सचिव श्री अश्विनी कुमार पाण्डेय, उत्तर प्रदेश पर्यटन विकास निगम के सलाहकार (प्रबन्ध एवं प्रशासन) श्री जे०पी०सिंह सहित संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अपनी बात

भारतीय संस्कृति के अनेक रंग हैं। यही वैविध्य सांस्कृतिक विरासत की थाती भी है जिसमें लोक और शास्त्र, दोनों धारायें निरन्तर प्रवाहित होती रहती हैं। उत्तर प्रदेश का सांस्कृतिक कैनवास अत्यन्त विस्तृत है जिसमें लोक कलाओं की अपनी अलग भूमिका है। इन्हीं में से लोकनाट्य के क्षेत्र में नौटंकी और रामलीला विशिष्ट आख्यानपरक परम्पराओं की संवाहिका हैं जो अपनी-अपनी मर्यादाओं में रहकर लोक का सशक्त प्रतिनिधित्व करती हैं।

मनोरंजन के तमाम आधुनिक साधनों और लोगों की व्यस्ततम दिनचर्या के बावजूद रामलीला का आकर्षण बना हुआ है तो इस कारण कि इसमें श्रद्धा और आस्था शामिल है। वाराणसी के निकट रामनगर की रामलीला काफी प्रसिद्ध है और इस रामलीला में सैकड़ों लोग नियमित तौर पर एक माह तक सम्मिलित होते हैं। उन्हें नेमी कहते हैं। वे रामलीला के दर्शक ही नहीं होते बल्कि इस लीला में शामिल होते हैं। वे कभी दरबार का हिस्सा होते हैं तो कभी प्रभु श्री राम की सेना के। बताने की आवश्यकता नहीं कि वाराणसी की नाटी इमली के भरत मिलाप में भारी भीड़ उमड़ती है। पांच मिनट की इस लीला में हजारों-हजार दर्शक होते हैं। विदेशों में भी रामलीलाएं खूब होती हैं। इण्डोनेशिया, बाली, ट्रिनीडाड, सूरीनाम, थाईलैण्ड, कोरिया, मारीशस सहित विभिन्न स्थलों पर रामलीलाएं होती हैं। इसका कारण यह भी है कि इन स्थानों पर भारतीय मूल के लोग हैं, जिनकी जड़ें भारतीय संस्कृति में हैं। यद्यपि कई स्थानों पर रामकथा का रूप भारत की राम कथा से भिन्न मिलता है लेकिन लोकप्रियता के धरातल पर प्रत्येक जगह की रामलीला अपना वैशिष्ट्य बनाए हुए है। अलग-अलग देशों की रामकथाओं में के बावजूद मूल तत्व एक ही है।

अयोध्या शोध संस्थान की विभिन्न गतिविधियों में रामलीला का संरक्षण एवं संवर्धन प्रमुख है जिनसे जुड़े हुए कलाकारों को समय-समय पर मंच प्रदान कर सांस्कृतिक उन्नयन के कार्य किये जाते हैं। इन रामलीला प्रस्तुतियों के माध्यम से कलाकारों को रोजी-रोजगार के साधन भी प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप में उपलब्ध हो जाते हैं। इन्हीं सब आधारभूत तथ्यों के दृष्टिगत 'रामलीला की कल्चरण मैपिंग' का कार्य संस्थान द्वारा प्रारम्भ किया गया है। वैसे तो भारत सरकार द्वारा 'कल्चरल मैपिंग' का कार्य पहले से ही किया जा रहा है लेकिन संस्थान द्वारा अपनी विशिष्टियों के दृष्टिगत इस वर्ष 'रामलीला की कल्चरल मैपिंग' का कार्य प्रारम्भ किया गया है।

संस्थान के पास लगभग 125 कलाकार दल पूर्व से थे परन्तु अभी हाल के सर्वेक्षण से अल्प-अवधि में ही इस संख्या में 40 और रामलीला कलाकार दलों की उपस्थिति हो गयी है जो अमूर्त विरासतों के संरक्षण की दिशा में एक शुभ संकेत भी है। वर्तमान में प्रदेश के लगभग 35 जनपदों में यह कार्य प्रारम्भ किया गया है जिसे शीघ्र ही और विस्तार दिया जा सकेगा। यह परियोजना इस पारम्परिक कला से जुड़े लोगों के अभिलेखीकरण का प्रयास तो है ही इसकी व्यापकता को समझने की एक कोशिश भी है।

(डॉ० लवकुश द्विवेदी)

निर्माण कार्य में गुणवत्ता एवं समयबद्धता हो : संस्कृति मंत्री

माननीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने 22 जून को अयोध्या में संचालित निर्माण कार्यों का समीक्षा की एवं निर्माणाधीन तुलसी स्मारक भवन का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण में लगी कार्यदायी संस्था को निर्देश दिया कि पुनरीक्षित प्रस्ताव का औचित्य सहित थ्री-डी प्रस्तुतिकरण प्रमुख सचिव, संस्कृति विभाग, उ०प्र० के समक्ष प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि कार्य में गुणवत्ता एवं समयबद्धता भी सुनिश्चित करें अन्यथा दण्डात्मक कार्यवाही के लिए तैयार रहें।

माननीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह को चित्र भेंट करते अयोध्या शोध संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी श्री रामतीरथ

मा० मंत्री श्री जयवीर सिंह ने कहा कि जो निर्माण कार्य अयोध्या में पूरे हो चुके हैं, उसका तकनीकी परीक्षण कराने के पश्चात ही भवन को हैण्ड-ओवर किया जाय। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए कि जो कार्य नहीं कराये जाने हैं, उसकी धनराशि विभाग को तत्काल वापस करें।

याद किए गए स्वतंत्रता के अमर शहीद

अमर शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल के जन्म दिवस 11 जून, 2022 और वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस 18 जून, 2022 को अयोध्या शोध संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में बाल, किशोर एवं युवा प्रतिभागियों ने भागीदारी की। प्रतिभागियों ने बलिदानियों के चित्र बनाए और उनके विषय में विस्तार से निबंध लिखे।

मंच पर उतरी प्रभु श्रीराम की जीवन गाथा

श्रीराम की नगरी अयोध्या में अयोध्या शोध संस्थान की नित्य रामलीला की प्रस्तुति में जून माह में विभिन्न पारम्परिक रामलीला दलों ने भाग लिया तथा मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की जीवन गाथा को मंच पर प्रस्तुत किया। परंपरा से चली आ रही रामलीला की अपनी प्राचीन शैलियों में इन दलों के कलाकारों ने माह पर्यन्त श्रीराम जन्म से राज्याभिषेक तक के विविध प्रसंगों की आकर्षक प्रस्तुतियां कीं। रामलीला दलों के प्रोत्साहन और रामलीला की पारम्परिक कला के संरक्षण के लिए संस्थान के इस महत्वपूर्ण प्रयास के क्रम में जून माह में निम्नलिखित रामलीला दलों द्वारा प्रस्तुतियां की गईं–

- **29 मई - 11 जून 2022 – जय मां हंसवाहिनी रामलीला एवं नाट्य मण्डल, कौशाम्बी। महन्त संतोष कुमार, सम्पर्कः 7607609794**
- **12 जून से 25 जून 2022 – श्री धनुषधारी अवध आदर्श रामलीला मण्डल, अयोध्या। श्री विश्राम पाण्डेय, सम्पर्क : 9935180619**
- **26 जून 2022 से वर्तमान समय तक–श्रीराम आदर्श रामलीला मण्डल, टिकैतनगर, बाराबंकी। श्री ऋषि शरण, सम्पर्क : 9044432756**

माह जून, 2022 में खोजे गए प्रदेश के रामलीला कलाकारों, दलों की सूची

मथुरा

1. श्री आदर्श विप्र रामलीला मण्डल/पं. मनोज मोहन शास्त्री कच्ची सड़क, मसानी, सम्पर्क : 9837119670
2. ऋतुराज रामलीला व कृष्णलीला मण्डल/ डॉ० के० सी० शास्त्री, कृष्णा नगर, सम्पर्क : 8958018607
3. श्री बहुलावन आदर्श रामलीला मण्डल/स्वामी घनश्याम जी, गांव व पोस्ट–बाटी, सम्पर्क : 9897045443
4. सर्वोदय गणेश रामलीला मण्डल/राजीव चतुर्वेदी, गजा पइसा, चौबिया पाड़ा, कोतवाली रोड, सम्पर्क : 901216167844
5. श्री आदर्श रामलीला मण्डल आयरा खेड़ा/स्वामी सरदार शर्मा व्यास, ग्राम–चमोला, पो०– आयरा खेड़ा, सम्पर्क : 8273253841

मेरठ

1. श्री दीपक गुप्ता, कस्बा लावड में छोटा मन्दिर के पास रामलीला ग्राउन्ड, थाना–इन्चौली, सम्पर्क : 9568639898
2. श्री अशोक कुमार गोयान, रामलीला ग्राउण्ड, थाना–किठौर, सम्पर्क : 7599239319/9870651948
3. श्री संजय शर्मा, नगर पालिका छोटा मैदान थाना–मवाना, सम्पर्क : 9897984014
4. श्री मूलचन्द्र सैनी, रामलीला मैदान, सरधना, सम्पर्क : 8273820099
5. श्री अजय त्यागी, रामलीला कमेटी, माछरा, सरस्वती राम मन्दिर, रामलीला ग्राउण्ड, थाना–किठौर, सम्पर्क : 9456087570
6. श्री अनुज सैनी, बुढ़ा शिव मन्दिर कस्बा– फलावदा, सम्पर्क : 7500190505
7. श्री पुरुषोत्तम उपाध्याय, रामलीला मैदान निकट–रेलवे स्टेशन कस्बा व थाना–दौराला, सम्पर्क : 9837544250
8. श्री विवेक वाजपेयी, बाबा मनोहर नाथ मन्दिर सूरज कुण्ड, सिविल लाइन्स, सम्पर्क : 9837101632
9. श्री ब्रहमजीत प्रजापति, रामलीला मैदान, मौ० चोर गढ़ी, थाना–परीथितमढ़, सम्पर्क : 9536800054
10. श्री बिन्द्र चाहल, रामलीला ग्राउण्ड मेन बाजार, बहसूमा, सम्पर्क : 9528686606
11. श्री कुबेर, गुड़ मण्डी, मधाना, सम्पर्क : 9412421527
12. श्री विशन सिंह, तारापुर बाजार, थाना–हस्तनापुर, सम्पर्क : 9927172315
13. श्री के०पी० सिंह, रामराज रामलीला ग्राउण्ड, निकट–बस अड्डा, बहसूमा, सम्पर्क : 9997531617
14. श्री नितिन कुमार, प्रा० पाठशाला के पास ग्राम रठौड़ा, खुर्द, हस्तिनापुर, सम्पर्क : 9568169100
15. श्री शिव कुमार, जिमखाना मैदान, थाना–कोतवाली, सम्पर्क : 9412208250/9897289267/9319367001
16. श्री तेजवीर, श्री रामलीला मैदान, ग्राम कुलंजन, सरधना, सम्पर्क : 8533059651
17. श्री सोमनाथ, जेल चुंगी के पास, नहर विभाग की खाली जमीन पुलिस चौकी के पीछे, सिविल लाइन्स, सम्पर्क : 9319378785
18. श्री गौरव गुर्जर, रामलीला मैदान, हस्तिनापुर, सम्पर्क : 9997492289
19. श्री पवन गर्ग, भैंसाली मैदान, सदर बाजार, सम्पर्क : 9837034437
20. श्री रवि गोला, ग्राम–तहसील रोड, बड़ा मैदान नगर पालिका, मवाना, सम्पर्क : 9897746408
21. श्री किरण पाल, रामलीला मैदान सरकारी जमीन पर ग्राम–मुण्डाली, सम्पर्क : 9456289271
22. श्री अवतार सिह, रामलीला मैदान, प्रहलाद नगर, थाना–लिसाड़ी गेट, सम्पर्क : 9897108679

कौशाम्बी

1 श्री सन्तोष कुमारग्राम–रेही, पोस्ट–बूंदा, तहसीन–चायल, सम्पर्क : 7607609794/8318334291

2 श्री आत्मा रामग्राम व पोस्ट–नूरपुर हाजीपुर, सम्पर्क : 55911174673

3 श्री रणजीत, ग्राम –सिंघवल पोस्ट–चम्पहा बाजार, सम्पर्क : 9793295016

बलिया

1. श्री रामलीला कमेटी, श्रीनाथ मठ, रसड़ा, सम्पर्क : 8390281974
2. श्री आदर्श रामलीला कमेटी, ताजपुर,गाजीपुर, सम्पर्क : 9838599533

अमेठी

1. श्री देवीलाल मिश्र, मां शारदे रामलीला कमेटी, ग्राम–पहाड़गंज, गौरीगंज, सम्पर्क : 9838925080

फतेहपुर

1. ओंकारेश्वर नवयुवक रामलीला कमेटी, बचई पुर, मजरे, आलमपुर, सम्पर्क : 9918156562
2. श्री कमल किशोर त्रिवेदी, श्री ब्रम्हदेव रामलीला समिति, गोजल पुर, करमपुर, सम्पर्क : 8858572566
3. पं. शैलेन्द्र तिवारी/श्री सूर्य प्रकाश सिंह, श्री गिरधर गोपाल पौराणिक रामलीला समिति, शिवराजपुर, सम्पर्क : 9838379365/8957747395

सोनभद्र

1. श्री संतोष कुमार पाण्डेय, रामलीला परिषद, तरांवा, सम्पर्क : 9936034539
2. श्री प्रदुम्न कुमार त्रिपाठी, आदर्श रामलीला समिति, ग्राम–करारी, सम्पर्क : 7800664233
3. श्री राजेन्द्र प्रसाद निषाद, रामलीला समिति, कुसुम्हा, सम्पर्क 8840194052
4. श्री सुनील परवाल, श्रीरामलीला परिषद, रेणुकूट, सम्पर्कः 9415230885

- **सभी सर्वेक्षकों का हार्दिक आभार**

प्रभु श्रीराम की नगरी में मशाल रैली का भव्य स्वागत

44 वें शतरंज ओलम्पियाड के आयोजन को लेकर शुरू की गई मशाल रैली का 28 जून को श्रीराम नगरी पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। दिल्ली से निकली इस मशाल रैली को 26 जून को लखनऊ विधान भवन में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं विश्व शतरंज चौम्पियन श्री विश्वनाथन आनंद ने आगवानी की थी। इसके बाद यात्रा रवाना हुई थी। वाराणसी से श्रीराम नगरी अयोध्या पहुंचने पर रैली का जगह–जगह स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। अयोध्या शोध संस्थान के संयोजन में इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से रैली का स्वागत किया गया।

समाचार पत्रों से ...

जसवन्तनगर की रामलीला परिसर कलाकृतियों का निर्माण

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मैदानी रामलीला के लिए विश्वप्रसिद्ध जसवन्त-नगर की रामलीला के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु पंचवटी रामलीला परिसर के जीर्णोद्धार सुन्दरीकरण का कार्य संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा 2016 में स्वीकृत हुआ था जिसमें रामायण के कथानकों पर आधारित कलाकृतियों का निर्माण कराया जाना भी प्रमुख कार्य था। इस हेतु निदेशक, अयोध्या शोध संस्थान को हाल में ही नोडल अधिकारी बनाकर कार्य में तेजी लाने का निर्देश प्रदान किये गये। संस्थान द्वारा सम्बन्धित मूर्तिकार को कार्यादेश निर्गत कर कार्य प्रारम्भ कराने का मार्ग प्रशस्त कर दिया गया। यह कार्य 12 जुलाई, 2022 से मूर्त रूप लेना शुरू कर देगा।

आगामी प्रस्तावित गतिविधियां

- अयोध्या में नित्य रामलीला
- प्रदेश में रामलीला कलाकार दलों की खोज
- इतिहास लेखन योजना अन्तर्गत शेष जनपदों के लेखकों के चयन की कार्यवाही
- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत नोएडा में 9 जुलाई को 'रागिनी उत्सव'

अयोध्या शोध संस्थान, तुलसी स्मारक भवन, अयोध्या, उ०प्र० के लिए शिवम् आर्ट्स, 512/269, दूसरी गली, निशातगंज, लखनऊ, उ०प्र०, सम्पर्क : 9415061690 से मुद्रित